स्वच्छ भारत
सम्पूर्ण स्वच्छता की ओर

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA

Azadi Ka Amrit Mahotsav

G20

स्वच्छता समाचार

खंड 2 | अंक 8 | मार्च 2023

"आज देश की प्राथमिकता भारत की विकास यात्रा में महिलाओं की पूर्ण भागीदारी में निहित है।"

श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से
कच्छ में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2022
पर एक संगोष्ठी के दौरान कहा

स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण समाचार पत्र

@swachhbharat @SBMGramin @SwachhBharatMissionGramin @swachh_bharat @swachhbharatgrameen

मुझे SSG 2023 के अंतर्गत देश भर में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियानों में व्यापक भागीदारी और गांवों में नारी शक्ति को सक्रिय नेतृत्व करते हुए देखकर अत्यधिक खुशी हो रही है। यह SBM-G और ODF Plus के नवाचारों के प्रति समुदाय के उत्साह को दर्शाता है। इस सर्वेक्षण ने हर बार बेहतर कार्य-निष्पादन और प्रामाणिकता से संबंधित स्वस्थ प्रतिस्पंर्धा को बढ़ावा दिया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता सेवाओं में सुधार हुआ है।

श्री गजेंद्र सिंह शेखावत
केन्द्रीय मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

कार्यक्रम की मुख्य बातें

ODF-Plus गांवः अप्रैल 2022 से (1 अप्रैल 2022 को 46,909) 1.5 लाख से अधिक ODF Plus गांवों की उपलब्धि हासिल की गई है

- **कुल ODF Plus गांवः** 1,99,181
- **उदीयमान श्रेणी में:** 1,25,972
- **उज्ज्वल श्रेणी में:** 25,064
- **उत्कृष्ट श्रेणी में:** 48,145

गोबरधन संयंत्रः

- महाराष्ट्र को अपना पहला गोबरधन संयंत्र फरवरी 2023 में मिला था। देश भर में, वर्तमान में 21 राज्यों के 152 जिलों में 583 पूर्ण और कार्यशील बायोगैस/CBG संयंत्र हैं।
- अप्रैल 2022 से SBM(G) के तहत 98 गोबरधन संयंत्र (सामुदायिक और क्लस्टर) स्थापित किए गए हैं।

प्लास्टिक कचरा प्रबंधनः

- **प्लास्टिक कचरा प्रबंधन:** विज्ञान और पर्यावरण केंद्र ने 7 से 10 फरवरी 2023 तक 'ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक प्रबंधन' पर 4 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। राजस्थान के नीमली में, 'अनिल अग्रवाल पर्यावरण प्रशिक्षण संस्थान' में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के लगभग 27 अधिकारियों ने भाग लिया।
- अप्रैल 2022 से (1 अप्रैल 2022 को 42) 634 प्लास्टिक कचरा प्रबंधन ईकाइयां स्थापित की गई हैं।

रेट्रोफिट टू ट्विन पिट अभियानः इस अभियान के तहत, 5 फरवरी 2023 के DDWS IMIS (तारीख अद्यन की जानी है) के अनुसार, रेट्रोफिटेड शौचालय 2,28,358 हैं, जिनमें से 1,45,980 सिंगल पिट शौचालयों को ट्विन पिट शौचालयों में बदल दिया गया है और 82,378 सेप्टिक टैंक शौचालयों को एयर वेंट्स और सोख्ता गड्ढों से जोड़ा गया है।

क्षमता निर्माणः

- 24 राज्यों में 49 टीओटी पूरे किए गए
- कुल 2423 मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया गया है

मासिक धर्म संबंधी स्वच्छता प्रबंधन

ओडिशा ने मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य और स्वच्छता नीति का अनावरण किया

एक अग्रणी पहल के रूप में, ओडिशा एक ऐसी नई और बेहतर मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य और स्वच्छता (MHH) नीति को लागू करने की तैयारी कर रहा है जिसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक सभी किशोर लड़कियों और महिलाओं को सस्ते स्वच्छता उत्पाद प्रदान करना है। यूनिसेफ द्वारा भारतीय लोक स्वास्थ्य संस्थान (IIPH), भुवनेश्वर और ओडिशा सरकार के सहयोग से विकसित, MHH नीति का उद्देश्य स्वास्थ्य और विकास के क्षेत्र में मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य और स्वच्छता को मुख्यधारा में लाने का प्रयास करना है। इस नीति का उद्देश्य सभी मैन्स्ट्रुएटरों की स्थिति में सुधार करना है ताकि वे एक सुरक्षित और सामर्थकारी वातावरण में अपने स्वास्थ्य की व्यवस्था कर सकें, जिससे उन्हें अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने और राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास की दिशा में बेहतर योगदान देने के लिए सशक्त बनाया जा सके।

इस नीति के अनुसार, महिलाओं और लड़कियों के स्वास्थ्य और विकास को बढ़ावा देने के लिए MHH को सभी क्षेत्रों की गतिविधियों में शामिल किया जाना चाहिए।

अधिक जानकारी के लिए, QR कोड स्कैन करें या यहां क्लिक कर

संपर्क करें: ssaxena@unicef.org

ODF PLUS

लक्षद्वीप के सभी गांवों ने मॉडल ODF Plus घोषित

भारत के सबसे छोटे संघ राज्य क्षेत्र (UT) लक्षद्वीप के सभी नौ गांवों ने उत्कृष्ट श्रेणी ODF Plus का घोषित कर दिए गए। इसका आशय यह है कि वे अपनी ODF स्थिति को बनाए रखे हुए हैं, और उनके यहां ऐसी प्रणालियां हैं जो ठोस और तरल कचरे का प्रभावी ढंग से समुचित प्रबंधन करती हैं, जिससे गांवों में सर्वत्र दृश्यगत स्वच्छता पर्याप्त है।

अधिक जानकारी के लिए, QR कोड स्कैन करें या यहां क्लिक कर

81 वार्डों में विभाजित, लक्षद्वीप में 14,200 परिवारों में लगभग 70,000 व्यक्तियों की आबादी है। इन सभी परिवारों में सेप्टिक टैंक के साथ व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालय हैं। सभी द्वीपों में सार्वजनिक स्थानों पर 91 सामुदायिक स्वच्छता परिसर स्थित हैं।

सभी परिवार उद्गम स्थल पर ही कचरे को अलग करते हैं। जहां उनमें से कुछ के पास अलग-अलग कंपोस्ट खाद के गड्ढे हैं, वहीं अन्य लोग अपने रसोई के कचरे को अपने मवेशियों खिलाते हैं। इसके अलावा, कई गांवों में सामुदायिक वर्मी कम्पोस्ट खाद के गड्ढे हैं जहां गीला कचरा एकत्रित किया जाता है। नारियल के कचरे को स्टोर करने के लिए सामुदायिक खाद के गड्ढे भी हैं।

संपर्क करें: abiraabdul@outlook.com

ठोस कचरा प्रबंधन

नासिक को मिला नया गोबरधन संयंत्र

नासिक के जिला प्रशासन ने महाराष्ट्र में येवला तहसील की अंदरसुल ग्राम पंचायत में गोबरधन योजना के तहत एक सामुदायिक बायोगैस संयंत्र स्थापित किया है। फरवरी 2023 के पहले सप्ताह से कार्यशील यह सुविधा, कचरे को स्वच्छ ऊर्जा और जैविक खाद में बदलने के लिए जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग करती है। यह पहल स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के दूसरे चरण के तहत की गई है। गोबरधन, अपने मवेशियों, कृषि और अन्य जैविक कचरे के सुरक्षित प्रबंधन में गांवों का सहयोग करता है। यह ग्रामीण समुदायों को अपने कचरे को धन में बदलने और वेक्टर-जनित बीमारियों पर अंकुश लगाते हुए पर्यावरणीय स्वच्छता में सुधार लाने में भी मदद करता है। भारत सरकार, मवेशियों, कृषि और जैविक कचरे के सुरक्षित निपटान के लिए प्रत्येक जिले को तकनीकी सहायता के साथ-साथ प्रति जिला 50 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता भी प्रदान करती है।

अधिक जानकारी के लिए, QR कोड स्कैन करें या यहां क्लिक कर

संपर्क करें: nbazpnashik1@gmail.com

केरल प्लास्टिक, नॉन-बायोडिग्रेडेबल कचरा प्रबंधन में एक ट्रेंडसेटर है

संग्रह से लेकर पृथक्करण, कटाई, गट्ठा बनाने और फॉरवर्ड लिंकेज स्थापित करने तक, केरल में प्लास्टिक और अन्य नॉन-बायोडिग्रेडेबल कचरे के प्रबंधन के लिए प्रभावी प्रणालियां हैं और इसलिए यह इस क्षेत्र में अग्रणी है। नॉन-बायोडिग्रेडेबल कचरा प्रबंधन की पूरी प्रक्रिया की देखरेख सुचितवा मिशन (SM) द्वारा की जाती है - जो स्थानीय स्वशासन विभाग (LSGD) के तहत केरल सरकार का एक तकनीकी निकाय है।यह स्वच्छ भारत मिशन परियोजनाओं को लागू करने और स्वच्छता और कचरा प्रबंधन से संबंधित परियोजनाओं में स्थानीय स्वशासन संस्थानों (LSGI) की सहायता के लिए राज्य में नोडल एजेंसी है। इस संबंध में, SM तकनीकी मंजूरी प्रदान करता है और हरित कर्म सेना (HKS) द्वारा कार्यान्वित स्वच्छता और कचरा प्रबंधन परियोजनाओं के लिए राज्य सरकार के हिस्से की निधियां जारी करता है।

अधिक जानकारी के लिए, QR कोड स्कैन करें या यहां क्लिक कर

संपर्क करें: sanitationkerala@gmail.com

प्लास्टिक कचरा प्रबंधन

लद्दाख में 15 कार्यशील PWMU हैं

यह देखते हुए कि संघ राज्य क्षेत्र (UT) लद्दाख एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, विशेष रूप से पीक पर्यटन सीजन में, अन्य पर्यटन स्थलों के समान यह ठोस कचरा प्रबंधन की गंभीर चुनौतियों का सामना करता है। इसका निराकरण करने के लिए, इस संघ राज्य क्षेत्र ने एकीकृत ठोस और तरल कचरा प्रबंधन का कार्य शुरू किया है, जिनमें से एक कार्य 15 प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाइयों (PWMU) - कारगिल में 7 और लेह में 8 की स्थापना करना है जो वर्तमान में कार्यशील हैं और प्लास्टिक कचरे का प्रभावी प्रबंधन कर रही हैं।

इस संघ राज्य क्षेत्र के प्रत्येक ब्लॉक को कचरा संग्रहण वाहनों (बड़े ब्लॉकों के लिए 2) से सुसज्जित किया गया है और प्रत्येक PWMU में लगभग 5-8 कर्मचारी हैं। हर घर में रंगीन डिब्बे वितरित किए गए हैं और बायोडिग्रेडेबल और नॉन-बायोडिग्रेडेबल कचरे दोनों को साप्ताहिक आधार पर घर-घर से एकत्र किया जाता है। जिन ग्राम पंचायतों में दुर्गम भू-भाग के कारण डोर टू डोर संग्रहण संभव नहीं है, वहां ऐसे सामान्य कचरा स्थल हैं जहां लोग अपना कचरा जमा कर सकते हैं, जहां से इसे वाहनों द्वारा एकत्र किया जाता है।

अधिक जानकारी के लिए, QR कोड स्कैन करें या यहां क्लिक कर

संपर्क करें: drdladakh@gmail.com

गंदला जल प्रबंधन

कर्नाटक की शिरूर ग्राम पंचायत को GWM इकाई मिली

कर्नाटक में कोप्पल जिले के कुकनूर तालुक में शिरूर ग्राम पंचायत के बेडावट्टी गांव में एक गंदला जल शोधन इकाई का निर्माण किया गया है, जिसमें एक गोद लिया गया सेटलर और एक निर्मित आर्द्रभूमि शामिल है।

10.05 लाख रुपये (SBM-G से 6.60 लाख रुपये; मनरेगा से 3 लाख रुपये; और 15 वें वित्त आयोग अनुदान से 0.45 लाख रुपये) की अनुमानित लागत से निर्मित, मुहाने के स्थल पर स्थित गंदला जल प्रबंधन इकाई गांव से 214 परिवारों को सुविधा मिलेगी।

इससे पहले, परिवारों से निकला गंदला जल 2 स्थानों पर हिरहाला नदी में मिल जाता था, जिससे जल स्रोत दूषित हो जाता था। नई प्रणाली यह सुनिश्चित करेगी कि गंदले जल का शोधन किया जाए, इसे नहर में प्रवाहित किया जाए और इसका कृषि आदि के लिए उपयोग किया जाए।

अधिक जानकारी के लिए, QR कोड स्कैन करें या यहां क्लिक कर

संपर्क करें: krwssd@gmail.com

क्षमता निर्माण

पंजाब ने 5 दिवसीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन किया

30 जनवरी से 3 फरवरी 2023 तक चंडीगढ़ के महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान (MGSIP) में आयोजित 'SBM-G चरण 2 के कार्यान्वयन' के संबंध में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (ToT) कार्यक्रम में 120 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार और जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग, पंजाब सरकार तथा यूनिसेफ, भारत की क्षमता को मजबूत करने की कवायद का एक हिस्सा था।

SBM-G चरण II को ODF स्थिति को बनाए रखने और ठोस तथा तरल कचरा प्रबंधन के माध्यम से स्वच्छता के स्तर में सुधार लाने के लिए शुरू किया गया था, जिससे गांवों को ODF Plus बनाया जा सके। ODF Plus प्रशिक्षण में शौचालयों की रेट्रोफिटिंग, बायो-डिग्रेडेबल कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, गंदला जल प्रबंधन, मलीय कचरा प्रबंधन, सूचना, शिक्षा और संचार और अन्य योजनाओं के साथ सामंजस्य जैसे प्रमुख घटक शामिल थे।

अधिक जानकारी के लिए, QR कोड स्कैन करें या यहां क्लिक कर

संपर्क करें: sdesanitation@gmail.com

स्वच्छता पखवाड़ा

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeiTY) और अंतरिक्ष विभाग ने 1 से 15 फरवरी 2023 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। MeiTY की गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं थीं: ठोस और तरल कचरा प्रबंधन पर एक कार्यशाला, वर्मी/जैविक कचरा निर्मित कंपोस्ट खाद, ई-कचरे पर एक व्याख्यान और हाउसकीपिंग तथा कैंटीन कर्मचारियों के लिए सामान्य स्वच्छता का महत्व; SLWM पर नारा/पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता; राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (NIELIT), द्वारका के परिसरों, कैंटीन और दीवारों की बड़े पैमाने पर सफाई; और इलेक्ट्रॉनिक निकेतन भवन में बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चलाया जाना।

अप्रैल 2016 में शुरू किया गया स्वच्छता पखवाड़ा, स्वच्छ भारत मिशन के तहत की गई एक पहल है। यह सभी केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों को स्वच्छता से संबंधित गतिविधियों में शामिल करने के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित है, जिससे स्वच्छता 'हर किसी की जिम्मेदारी' बन जाएगा।

MyGov प्लेटफॉर्म पर लैपेल पिन/बैज डिजाइन प्रतियोगिता

DDWS ने MyGov प्लेटफॉर्म पर स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान (SSSS) संबंधित लैपेल पिन/बैज डिजाइन के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की हैं। उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाले चित्र को ग्रामीण भारत के मूल्यों, दृष्टि और समग्र दृष्टिकोण को दर्शाते हुए SBM-G, JJM और NWM के अनुरूप बनाया जाना था। डिजाइन जमा करने की अंतिम तिथि 10 फरवरी 2023 थी। इस संबंध में 352 आवेदन प्राप्त हुए थे।

4 मार्च 2023 को स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान (SSSS) का आयोजन

4 मार्च 2023 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में समारोह स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान (SSSS) का आयोजन किया जाएगा जिससे स्वच्छ सुजल भारत की यात्रा में जमीनी स्तर पर महिलाओं के नेतृत्व को रेखांकित किया जा सके और स्वीकार किया जा सके। भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया ने इस अवसर की शोभा बढ़ाने के लिए सहमति दे दी है।

इस कार्यक्रम में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) और जल जीवन मिशन (जल शक्ति मंत्रालय) और जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के तहत जल, स्वच्छता और सफाई (WASH) के क्षेत्र में महिलाओं के नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाएगा।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत, नामांकन आमंत्रित किए गए थे और उपलब्धि हासिल करने वाली उन महिलाओं को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे जिन्होंने निम्नलिखित में योगदान दिया है:

- अपने गांवों को ODF Plus मॉडल बनाना
- गोबरधन/बायोडिग्रेडेबल कचरा और/ या प्लास्टिक कचरा प्रबंधन
- गंदला जल प्रबंधन और/या मलीय कचरा प्रबंधन

इसमें सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की व्यापक भागीदारी रही थी और उन्होंने अपने नामांकन प्रस्तुत किए। प्राप्त 1442 नामांकनों में से, 18 महिला अचीवर्स का चयन किया गया था - प्रत्येक 3 श्रेणियों में से 6।

27 फरवरी से 8 मार्च तक चलने वाले अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पहले, राज्य, जिले और ग्राम पंचायतें राज्य, जिला और ग्राम पंचायत स्तर पर उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं को सम्मानित करने में लगे हुए हैं; महिला सरपंचों और उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं के साथ संवाद; महिला हस्तियों या प्रभावशाली लोगों द्वारा ODF Plus घटकों से संबंधित रैलियां, जागरूकता गतिविधियां; नारा लेखन, कविता, चित्रकला, आदि में स्कूली प्रतियोगिताएं; और सोशल मीडिया हैंडल पर राज्यों में होने वाले कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता का प्रसार करना।

स्वच्छता समाचार

सचिव की कलम से

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (SBM-G) ने आरंभ से ही लैंगिक समानता की सोच में अभिवृद्धि करने वाली मान्यताओं को बल दिया है। इसे ध्यान में रखते हुए कि महिलाएं जीवन के अधिकांश क्षेत्रों में असमान रूप से सदैव प्रभावित होती रही हैं, इस मिशन में सुरक्षित पेयजल, पर्याप्त स्वच्छता और मासिक धर्म संबंधी स्वच्छता सुविधाएं प्रदान करना सुनिश्चित किया है। जिससे वे सुरक्षित, उत्पादक, सम्मानित और स्वस्थ जीवन जीने में समर्थ हुई हैं।

यह मिशन निर्बाध रूप से वर्तमान है, हम उन महिलाओं का आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने अपने समुदाय में स्वास्थ्य, गरिमा, सुरक्षा और कल्याण की दृष्टि से सकारात्मक बदलाव लाने के लिए चुनौतियों पर विजय प्राप्त की है, अपने सामर्थ्य का सदुपयोग किया है और नेतृत्व की भूमिका निभाई है। चाहे वह सरपंच हो, स्वच्छाग्रही हो, आशा या आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हो चाहे VWSC या SHG के सदस्यों के रूप में हों, उन महिला परिवर्तनकर्ताओं (चेंजमेकर्स) को 4 मार्च, 2023 को आयोजित किए जाने वाले स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान (SSSS) के दौरान सम्मानित किया जाएगा।

श्रीमती विनी महाजन
सचिव,
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (DDWS)
जल शक्ति मंत्रालय

मिशन निदेशक की कलम से

देश के सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों की उत्साहजनक भागीदारी के लिए हार्दिक आभार। आप सबकी भागीदारी से रेट्रोफिट-टू-ट्विन-पिट अभियान 22,8358 शौचालयों को (संख्या 28 फरवरी को अद्यतित की जाएगी) रेट्रोफिटेड कर के एक अति महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इसने उस अभियान को गति दी है जिसका उद्देश्य मौजूदा एकल-गड्ढे वाले शौचालयों को दो गड्ढे वाले शौचालयों में रेट्रोफिटिंग करके और सेप्टिक टैंक शौचालयों को एयर वेंट्स और सोख्ता गड्ढों से जोड़कर सरल ऑन-साइट प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना है।

इसमें क्षमता सुदृढ़ीकरण पर भी बहुत ध्यान दिया जा रहा है क्योंकि SBM-G के दूसरे चरण की प्रकृति तकनीकी होने के कारण जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तर के कार्यकर्ताओं को प्रौद्योगिकी विकल्पों, दीर्घकालिक स्थिरता के लिए O&M और वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए गतिविधियों के बारे में सोच-समझकर विकल्प चुनने की आवश्यकता होती है।

यह उल्लेखनीय है कि हमारी महिलाएं SBM-G की सभी गतिविधियों में बदलाव का नेतृत्व और संचालन कर रही हैं, यह निःसंदेह सराहनीय है।

श्री जितेंद्र श्रीवास्तव
संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक (SBM-G)
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय

यदि आप **स्वच्छता समाचार** के आगामी अंक में योगदान देना चाहते हैं, तो कृपया **swachhbharat@gov.in** पर हर महीने की 15 तारीख से पहले अपनी प्रस्तुति (लगभग 700 शब्द + 2 उच्च रिज़ॉल्यूशन चित्र) साझा करें।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

Office of the Joint Secretary & Mission Director, SBM-G
Department of Drinking Water and Sanitation, Ministry of Jal Shakti
Government of India.

4th Floor, Pandit Deendayal Antyodaya Bhawan, CGO Complex,
Lodhi Road, New Delhi-110003
Phone: 011-24362192 | Email: js-sbm@gov.in